हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 18 अगस्त 2021, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

PAGE NO. 06 : MIDDLE

डेढ़ सौ साल बाद फिर दिल्ली पहुंचे गालिब

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार को नाटक गालिब इन न्यू दिल्ली का मंचन किया गया। आज के दौर में मियां गालिब की गजलें फिर भी सुनने को मिलती रहती हैं। लेकिन टोपी लगाए उर्दू बोलते गालिब आज के नये दौर में फिट हो पाएंगे। ऐसे ही अटपटे सवालों पर आधारित ह्यगालिब इन न्यू दिल्लीह्न नाटक ने दर्शकों को लोटपोट कर दिया। नाटक में गालिब 1869 में अपने इंतकाल के डेढ़ सौ साल बाद मिर्जा का पुनर्जन्म होता है। वो अपने पुश्तैनी शहर दिल्ली पहुंच कर अपने मुहल्ले बल्ली मारान जाना चाहते हैं। यह दौरान उनकी पूरी कहानी को बड़ी की खूबसूरती से नाटक के माध्यम से गढ़ा गया है। गालिब के किरदार में डॉ. एम सईद आलम ने पूरे प्ले को बांधे रखा। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति थीं।